राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES
हर पल टाइम्स

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

RNI NO. MAHHIN/2011/24374

▶ वर्ष :१० ▶ अंक: १७ ▶ मुंबई, शुक्रवार, २५ दिसम्बर से ३१ दिसम्बर २०२० ▶ पृष्ठ: ४ ▶ मुल्य : २/- रु.

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार, (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 3106 नए मामले

मुंबई, महाराष्ट्र में कोविड-19 के 3106 नए मामले आने के साथ ही राज्य में अभी तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1902458 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, संक्रमण से और 75 लोगों की मौत हुई है। राज्य में अभी तक कुल 48876 लोगों की मौत कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुई है। अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य लाभ के बाद पिछले 24 घंटे में 4112 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है। राज्य में अभी तक कुल 1794080 मरीज इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हुए हैं। (शेष पेज 2 पर)

यह कहानि नहीं हकिकत है जनता की आवाज हर पल टाइम्स की खास खबर

Har pal tv news. cmw.cin.chief news Editor.Jameel g khan.Mumbai India.

१) राहुल गांधी आज कुछ लोगों के साथ राष्ट्रपती भवन पहुंच गए। राहुल गांधी ने राष्ट्रपती को विज्ञापन दिया। जानकारी के मुताबिक २ करोड़ जनता और किसानों की हस्ताक्षर के साथ कागजात राष्ट्रपति को दिए गए। बीजेपी का कहना है कि यह हस्ताक्षर बोगस है, जबकि किसान का कहना है कि यह हस्ताक्षर किसानों की है, किसान का कहना है ३ कानून को हटाया जाए, जब हम केंद्र सरकार से बात करेंगे. (२) यह लड़ाई कब खत्म होगी, मुस्लिम समाज के लोगों को एक प्लेट फार्म पर आने की जरुरत है। देश के हालात बिगड़ते जा रहे हैं, युपी में हिंदु मंच से 2100 मुस्लिम लड़कियों की शादी हिंदु लड़कों से कर दी जाएगी ये रिपोर्ट इंडिया टिवी पर बताई जा रही है, आरएसएस और बीजेपी नेता यह साफ साफ कह रही है इस न्यूज से क्या मुस्लमान समाज खामोश रहेंगा या देश में झगड़े शुरु हो जाएगे। इसका जबाबदार कोन है। इस न्यूज पर सरकार को ध्यान देना जरुरी है। (३) ब्रिटेन में नया वायरस मिलने के बाद ड़र और अफरा तफरी कई देशों में हवाई सेवाएं बंद कर दी गयी। (४) तुर्कि में खोदा पहाड़.... निकली सोनेकी खदान , धरती से निकला खजाना... दंग हो गया सारा जमाना, मिल गया इतना सोना, कई देशों से भी दोगुना, अल्ला ताला देने पर आते है तो बेहिसाब देते है, turkey president recep tayyip erdogan को अच्छे काम करने का सिला मिला है।

जनता कि मदद करने वाले एस.एम.आसिफ को कर्नाटक कॉलेज से डॉक्टरेंट की बड़ी डिर्गी मिली। ऑल इंडिया मॉनेटरिज फ्रॅट के ऑल इंडिया के प्रेसिडेंट एस.एम.आसिफ ने २२ डिसेंबर को कर्नाटक स्टेंट का प्रेसिडेंट सैय्यद हुसैन को बनाया इस अवसर पर इनकी पुरी टीम मौजूद थी। हर पल टीवी मिडीया की ग्रुप से ए.आय.एम.एफ पुरी टिम को मुबारक बात।

किसानों ने सरकार को चेताया

आग से न खेले, फिर ठुकराया कानून में संशोधन का प्रस्ताव

एक तरफ सरकार उम्मीद जता रही है कि बातचीत से हल निकाल लिया जाएगा लेकिन किसानों ने एक बार फिर कानून में संशोधन का प्रस्ताव ठुकरा दिया है. किसान अपनी मांगों पर अडिग हैं. कानून रद्द करने से कम पर मामने को तैयार नहीं हैं.

नई दिल्ली: 28वें दिन भी किसानों का आंदोलन जारी है. एक बार फिर बातचीत का प्रयास फेल हो गया है. किसानों ने सरकार का नए कृषि कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव ठुकरा दिया है. सरकार कह रही है कि वह कानून को वापस नहीं लेगी तो किसान अपनी मांग पर अडिग हैं. किसानों ने एक बार फिर कहा है कि सरकार जब तक कानून वापस नहीं लेती आंदोलन जारी रहेगा. यह फैसला सिंघु बॉर्डर पर 40 किसान संगठनों की बैठक में लिया गया.

सरकार को चेतावनी

सिंघु बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा के तमाम संगठनों के बीच चली लम्बी बैठक के बाद किसान नेता युद्धवीर सिंह ने कहा, जानबूझ कर सरकार इस मामले को लटकाना चाहती है और किसान का मनोबल तोड़ना चाहती है लेकिन हम संशोधन पर तैयार नहीं हैं. उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, ह्यसरकार आग से खेल रही है इसके परिणाम देखने को मिल सकते हैं. वहीं किसान नेता शिवकुमार काका ने कहा, इस कानून में सबसे बड़ी (शेष पेज 2 पर)

भारत के स्पेस सेक्टर के लिए निजी प्रस्तावों की झड़ी, ऐमजॉन सहित कई कंपनियां रेस में

बेंगलूरु, दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन और डल्लीहु सहित कई देसी-विदेशी कंपनियों ने भारत के स्पेस सेक्टर में दिलचस्पी दिखाई है। सरकार ने कुछ महीने पहले देश के स्पेस सेक्टर को निजी क्षेत्र के लिए खोलने का फैसला किया था। उसे देसी कंपनियों के कम से कम 22 और विदेशी कंपनियों के 4 प्रस्ताव मिले हैं। नवगठित स्पेस रेग्युलेटर IN-SPACe इस प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है। (शेष पेज 2 पर)

ऑनलाइन पढ़ाने वाले स्कूल 70% ट्यूशन फीस ले सकेंगे

जयपुर, राजस्थान हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस इंद्रजीत महांती की खंडपीठ ने निजी स्कूल फीस विवाद मामले में अहम फैसला सुनाया। खंडपीठ ने कहा कि जिन निजी स्कूलों ने ऑनलाइन पढ़ाया है, वे ट्यूशन फीस का 70% ही फीस के तौर पर ले सकेंग। लेकिन ध्यान रखने वाली बात होगी कि वे राजस्थान सरकार द्वारा 28 अक्टूबर को लागू की गई सिफारिशों के अनुसार ही फीस ले सकेंगे। प्रदेश सरकार व अन्य की अपील के इस मामले में करीब दो दर्जन से (शेष पेज 2 पर)

कोरोना के चलते महाराष्ट्र में अगले छह महीने तक मास्क पहनना अनिवार्य

मुंबई , कोरोना वायरस के चलते महाराष्ट्र में अगले छह महीने तक मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। यह घोषणा रविवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की। उद्धव आरे, कोरोना वायरस, मेट्रो शेड आदि मुद्दे पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि एक्सपट्र्स नाइट कर्फ्यू लगाने के पक्ष में हैं, लेकिन वे इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कोरोना की स्थिति कंट्रोल में है। हालांकि, पूरी तरीके से नहीं। महाराष्ट्र में शनिवार को 3,940 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। (शेष पेज 2 पर)

संपादकीय

सर्वोच्च अदालत में सुनवाई

किसानों के आंदोलन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचना जितना जरूरी था, उतना ही स्वाभाविक भी है। वैसे तो किसानों के आंदोलन को लगभग तीन महीने पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन जब आंदोलन पंजाब में था, तब ज्यादा चिंता नहीं थी। अब विगत तीन सप्ताह से दिल्ली घेरने का आंदोलन ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जब सुप्रीम कोर्ट में गुहार और सुनवाई जरूरी हो गई है। छह दौर की औपचारिक और अनेक दौर की अनौपचारिक वार्ताओं के बावजूद सरकार व किसान संगठन परस्पर सहमत तो दूर, आश्वस्त भी नहीं हो पा रहे हैं। उनमें परस्पर विश्वास की कमी देश और दुनिया के सामने स्पष्ट हो गई है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई के लिए आगे आना समय की मांग है। न्यायपालिका में लोगों का विश्वास अभी भी बरकरार है। किसी भी जटिल समस्या के समय अदालती हस्तक्षेप की परंपरा गलत भी नहीं है, जहां राजनीति से परे, संविधान की रोशनी में न्यायाधीश शांत मन से किसी फैसले या निर्देश पर विचार करते हैं। बडे-बडे. विवादित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में सुलझते और लोगों द्वारा स्वीकार करते देखा गया है। ऐसे में, किसान आंदोलन के समाधान की उम्मीद का बढ़ना वाजिब है। सुप्रीम कोर्ट को इस पूरे मामले पर विचार करने में समय लगेगा, लेकिन पहले दिन ही कोर्ट ने दो बातों को स्पष्ट कर दिया। पहली, सरकार और किसानों को समिति बनाकर बातचीत करनी चाहिए। दूसरी, समस्या को सहमति से सुलझाना चाहिए। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने किसान संगठनों के साथ-साथ केंद्र सरकार, हरियाणा और पंजाब सरकार को नोटिस भेजा है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिकाओं में धरने पर बैठे किसान आंदोलनकारियों को सड़क से हटाने की अपील की गई है। याचिकाकताओं के वकील ने भी दलीलें पेश कीं और सरकार ने भी अपना पक्ष रखा, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसानों के पक्ष को भी सुनना चाहते हैं। अतः किसान संघों को नोटिस जारी किया गया है और अब उन्हें अपना जवाब दाखिल करना है। मामला केवल किसान आंदोलन या कृषि कानूनों के विरोध का नहीं है, बल्कि दिल्ली के घेराव का भी है। यह बात सरकार ने स्वीकार की है कि दिल्ली पुलिस ने ही रास्ते जाम किए हैं। जाहिर है, दिल्ली पुलिस की कोशिश है, राष्ट्रीय राजधानी में किसी तरह की अव्यवस्था की स्थिति न बने। संभव है, सुनवाई में यह बात भी सामने आएगी कि केंद्र सरकार ने किसानों को प्रदर्शन के लिए मैदान मुहैया तो कराया था, लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं हुए। दिल्ली को विरोध प्रदर्शन से बचाने के लिए किसानों को सीमा पर ही रोकने की मजबूरी पैदा हुई और सीमाओं पर समस्या बढ़ी। आश्चर्य नहीं, अदालत में शाहीन बाग मामले के फैसले का भी हवाला दिया गया, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि सड़कें जाम नहीं की जानी चाहिए। अब स्थिति यह है कि खुद सरकार को ही मजबूरी में सड़कों को जाम करना पड़ा, ताकि किसानों को दिल्ली में घुसने से रोका जा सके। अदालत ने दोनों मामलों में तुलना के खिलाफ रुख दिखाया है, तो यह सही भी है। लोगों की निगाह अब सुप्रीम कोर्ट पर है। राजनीतिक रूप ले चुके इस मामले में अदालती फैसला आसान नहीं है। फिर भी, तमाम पक्षों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत से एक सर्वमान्य व्यवस्था या फैसले की अपेक्षा देश करता है।

पहला ट्रायल डोज लगवाने वाले शिक्षक को दो हफ्ते से खांसी, डॉक्टरों ने बताया मामूली सर्दी-जुकाम

भोपाल,
कोरोना की को-वैक्सीन के ट्रायल में भोपाल स्थित पीपुल्स मेडिकल कॉलेज में पिछले महीने पहला टीका लगवाने वाले शिक्षक संतोष कुमार को दो हफ्ते से खांसी आ रही है। वह दो बार इलाज के लिए पीपुल्स अस्पताल जा चुके हैं। उन्होंने कोरोना की जांच कराने की मांग भी की, लेकिन डॉक्टरों ने जरूरत नहीं होने की बात कहकर सर्दी-जुकाम की दवा देकर उन्हें घर भेज दिया गया।

चिकित्सकों ने उन्हें कहा है कि 26 नवंबर को 28 दिन पूरा होने पर टीका का दूसरा डोज लगाया जाएगा। उसी दिन कोरोना की जांच भी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि आइसीएमआर और भारत बायोटेक द्वारा तैयार की जा रही कोवैक्सीन नाम से कोरोना की वैक्सीन का तीसरे चरण का ट्रायल पीपुल्स मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। शिक्षक संतोष कुमार ने बताया कि आठ दिसंबर से उन्हें खांसी आ रही है। उस दिन अस्पताल गए, तो चिकित्सकों ने कुछ दवाएं दीं। इसके बाद भी आराम नहीं लगा तो 14 दिसंबर को फिर अस्पताल गए। तब डॉक्टरों ने फिर कहा कि कोरोना के लक्षण नहीं हैं। सामान्य सर्दी-खांसी की दवा दे दी गई। 27 नवंबर को उन्हें पहला टीका लगाया था। पीपुल्स मेडिकल कॉलेज के अफसरों ने बताया कि पहले एक हजार लोगों पर ट्रायल करने के लिए आइसीएमआर और भारत बायोटेक ने कहा था। इसके बाद लक्ष्य बढ़ाकर 1500 कर दिया गया। मंगलवार तक 1700 लोगों पर ट्रायल किया गया। अब इन्हें 26 दिसंबर से क्रमानुसार दूसरा डोज लगाया जाएगा। इस संदर्भ में पीपुल्स मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अनिल दीक्षित ने कहा कि अभी तक जितने लोगों को टीका लगा है, उनमें किसी को अभी तक किसी तरह की तकलीफ होने की बात उनके संज्ञान में नहीं आई है। 1700 लोगों पर ट्रायल पूरा हो चुका है। अब लोगों को दूसरा डोज लगाया जाएगा।

शीत लहरों से कांपा उत्तर भारत, देश के इन हिस्सों में सबसे नीचे गिरा पारा

नई दिल्ली , उत्तर भारत में शीत लहर की शुरूआत के साथ ठंड ने दस्तक देदी है. हर रोज ठंड नए रिकॉर्ड बना रही है. भारत की मौसम विभाग (क्टऊ) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पिछले कुछ दिनों से पारे में भारी गिरावट दर्ज कर रही है और अनुमान हैं कि आने वाले दिनों में दिल्ली सबसे ठंड दिनों को दर्ज कर सकती है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ राजधानी में ही शीत लहर के कारण ठंड बढ़ रही है, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों जैसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में भी सर्दियों की लहरें देखी जा रही हैं। आईएमडी के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा है कि मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी हिमालय में व्यापक बर्फबारी हुई, जिससे शीत लहरें उत्तरी मैदानों की ओर बहने लगीं। आईएमडी मैदानी इलाकों में उसे ठंडा दिन मानता है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होता है और अधिकतम लगातार दो दिनों तक सामान्य से 4.5 डिग्री कम रहता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि उत्तर की ओर से उत्तर की ओर चलने वाली तेज उत्तरी हवाएँ जारी रहेंगी, 21 दिसंबर के बाद तापमान में थोड़ी वृद्धि का अनुमान है। यहाँ आज के रूप में भारत में सबसे ठंडी जगह हैं:

बाकी पेज १ का

आग से न खेले,...

समस्या ये है कि सरकार कॉर्पोरेट को किसानी में प्रवेश कराना चाहती है. ये कानून अमेरिका में लागू हुए वहां खेती-किसानी दो प्रतिशत रह गयी. किसान आत्महत्या कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि अब तक की बैठकों में एमएसपी पर कोई चर्चा हो नहीं हो पायी है. उन्होंने बीतचीत के लिए सरकार को अच्छा माहौल बनाने की नसीहत दी.

किसान अंदोलन को बदनाम करने का प्रयास

योगेंद्र यादव ने कहा, सरकार के प्रस्ताव को ठुकराने का फैसला संयुक्त किसान मोर्चा के तमाम संगठनों के बीच लम्बी बैठक में लिया गया है. उन्होंने सरकार द्वारा भेजी गई 20 तारीख की चिट्ठी का जवाब पढ़कर सुनाया. भारत सरकार के संयुक्त सचिव विवेक अग्रवाल द्वारा किसानों के पिछले जवाब को अस्पष्ट बताने पर उन्होंने जवाब दिया कि जो भी निर्णय लिया गया है वह सर्व सम्मति से लिया गया है. इस पर सवाल उठाना गलत है. उन्होंने सरकार के पत्र को किसान अंदोलन को बदनाम करने का प्रयास बताया. उन्होंने कहा सरकार तथाकथित किसान नेताओं से बात करके आंदोलन को खत्म करने का प्रयास कर रही है. इस पर हैरानी जताई कि कानून खत्म करने के लिए सरकार आखिर उनके तर्क क्यों नहीं समझ पा रही है. उन्होंने कहा कि एमएसपी (टरढ) पर सरकार की तरफ से अभी तक कोई स्पष्ट प्रस्ताव नहीं मिला है. साथ ही राष्ट्रीय किसान आयोग की सिफारिश पर एमएसपी के लिए कानून की गारंटी की मांग की.

गुमराह करने का आरोप

किसान नेचा हनन मोल्लाह ने कहा, हम समस्या का समाधान चाहते हैं लेकिन सरकार हमारे साथ धोखा कर रही है. उन्होंने कहा सरकार सोचती है कि किसान थक जाएंगे और आंदोलन खत्म हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं होगा. यह आंदोलन केवल पंजाब, हरियाणा के किसानों का नहीं है बल्कि पूरे देश के किसानों का आंदोलन है. 29 तारीख को पटना और चेन्नई में रैली होगी. कल महाराष्ट्र में अडानी और अंबनी के सामान का बायकॉट किया जाएगा. उन्होंने कहा कि ये आंदोलन अडानी अम्बानी की लूट के खिलाफ है.

महाराष्ट्र में कोरोना...

राज्य में फिलहाल 58376 मरीज उपचाराधीन हैं। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) के फैलने के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारियों से सतर्क रहने और राज्य में जांचों की संख्या बढ़ाने को कहा। एक सरकारी बयान के मुताबिक, ठाकरे ने अधिकारियों से यह भी कहा कि मास्क पहनने को अनिवार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने मंडलीय आयुक्तों, जिलाधिकारियों, निगम आयुक्तों एवं जिला पुलिस अधिकारियों से बातचीत के दौरान ये निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को मास्क न पहनने वाले लोगों पर जुमार्ना लगाने के निर्देश दिए। सरकारी बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है, लोगों के बीच मास्क पहनने, हाथ धोने और एक-दूसरे से दूरी बनाने को लेकर नए सिरे से जागरुकता फैलाएं। उन्हें खतरे के प्रति जागरुक करें।

भारत के स्पेस सेक्टर के लिए निजी ...

जेफ बेजोस की कंपनी ऐमजॉन वेब सर्विसेज (अहर) और भारती ग्रुप के निवेश वाली ब्रिटेन की कंपनी डल्लीहु भी उन कंपनियों में शामिल हैं जिन्होंने भारत के स्पेस सेक्टर में दिलचस्पी दिखाई है। IN-SPACe (Indian National Space Promotion and Authorisationf Centre) को जो प्रस्ताव मिले हैं, उनमें ग्राउंड स्टेशन के लिए परमिशन, सैटेलाइट बनाने और लॉन्च करने के लिए satellite constellations बनाने, लॉन्च वीकल बनाने और ऐप्लिकेशंस मुहैया कराने के प्रस्ताव शामिल हैं।डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के सेक्रेटरी के सिवन ने कहा कि कई भारतीय कंपनियां सही तरीके से आगे बढ़ रही हैं जो बहुत उत्साहजनक है और प्रधानमंत्री के विजन के मुताबिक है। इनमें एलएंडटी और भारती ग्रुप और स्टार्टअप कंपनियां शामिल हैं। ऐमजॉन जैसी विदेशी कंपनियों के दिलचस्पी दिखाने से भारत को ग्लोबल स्पेस हब बनने में मदद मिलेगी। क्या हैं प्रपोजल अहर ने जून में लगभग उसी समय नई कंपनी एयरोस्पेस एंड सैटेलाइट सॉल्यूशंस बनाने का फैसला किया था जब भारत में IN-SPACe के गठन को मंजूरी दी थी। कंपनी ने प्राइवेट स्पेस बिजनस के लिए परमिशन मांगी है। इसमें ग्राउंड स्टेशन स्थापित करना और सैटेलाइट आधारित सेवाएं देना शामिल है।

कोरोना के चलते महाराष्ट्र...

यह देश में शनिवार को सामने आए नए मामलों में दूसरे स्थान पर है। वहीं, महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों में कोरोना वायरस की स्थिति में काफी तेजी से सुधार आया है। हालांकि, अभी भी हालात पूरी तरह से सुधरे नहीं हैं। नवंबर में राज्य सरकार ने अधिकारियों को एक पत्र जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि सुधार के बाद भी अधिकारी कोई लापरवाही न बरतें और टेस्टिंग में कमी न लाएं। आशंका है कि महाराष्ट्र में जनवरी-फरवरी में कोरोना वायरस की दूसरी लहर आ सकती है। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि जिस तरीके की दूसरी लहर ब्रिटेन और यूरोप के अन्य देशों में आई है, उस तरह की भारत में आने की आशंकाएं कम हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, रोकथाम इलाज से बेहतर है। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना कम से कम छह महीने के लिए एक आदत बना लेनी चाहिए। महा विकास अघाड़ी सरकार के पहले एक साल को लेकर उद्धव ठाकरे ने कहा कि 28 नवंबर को राज्य सरकार ने अपना पहला साल पूरा कर लिया।

ऑनलाइन पढ़ाने वाले...

ज्यादा पक्षकार शामिल थे, ऐसे में हाईकोर्ट को सभी को सुनने में भी काफी वक़्त लग गया। ज्ञात हो कि, हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 16 दिसम्बर को मामले की सुनवाई के बाद ही फैसले को सुरक्षित रख लिया था। इस मामले पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के निर्देश पर एक कमेटी बनाई थी, उसके बाद कमेटी ने अपनी सारी सिफारिशें 28 अक्टूबर को प्रस्तुत की थी। इन सिफारिशों में कहा गया था कि जो स्कूल ऑनलाइन क्लासेज चला रहे है, वे ट्यूशन फीस का 70 फीसदी हिस्सा फीस के रूप में ले सकते हैं।

आलीशान होटलों में ठगी करने वाला शातिर ठग गिरफ्तार, कश्मीर से कन्याकुमारी के होटलों में करता था वारदात

नवी मुंबई
कश्मीर से कन्याकुमारी तक के फाइव स्टार होटलों में अय्याशी करने के बाद ठगी की घटना को अंजाम देने के आरोप में 65 वर्षीय शातिर ठग को वाशी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अभी तक 187 ठगी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। नए वर्ष तक वह ठगी की 200 घटनाओं को अंजाम देने की तैयारी में था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी डबल सेंचुरी पूरी नहीं हो पाई। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त सुरेश मेगंडे ने दी।

उद्योगपति बन कर जाता था

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव धुमाल ने बताया कि ठगी के आरोप में गिरफ्तार किए गए शातिर ठग का नाम व्हिन्सेंट जॉन उर्फ थेरिनाथन उर्फ मायकल जोसेफ उर्फ दिलीप स्टीफन उर्फ मायकल फर्नांडो उर्फ विजय करण उर्फ राजीव देसाई उर्फ रवि आनंद (65 वर्ष) है। मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी व्हिन्सेंट ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक कई फाइव स्टार होटलों में ठगी की घटना को अंजाम दिया है। वह एक कॉर्पोरेट कंपनी का अधिकारी और उद्योगपति बनकर इन होटलों में कमरा बुक करवाता था। कुछ दिन होटल की सुविधाओं का लाभ लेने के बाद वह फरार हो जाता था।

लैपटॉप लेकर फरार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 13 दिसंबर को वाशी स्थित तुंगा होटल में भी शातिर ठग ने मीटिंग और कॉन्फ्रेंस के लिए बैंक्वेट हॉल बुक किया था। उसने होटल से लैपटॉप भी लिया। होटल मैनेजमेंट भी इस ठग के झांसे में आकर सभी सुविधाएं उपलबध करा रहा था। बाद में आरोपी ने होटल स्टाफ को झांसे में लेकर लैपटॉप व अन्य सामान लेकर फरार हो गया। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब बैंक्वेट हॉल में कोई आगंतुक नहीं आया, तो होटल के कर्मियों को शक हुआ। प्रबंधक ने व्हिन्सेंट जॉन की तलाश शुरू की। परेशान होकर होटल मैनेजमेंट ने वाशी पुलिस स्टेशन में ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

फोटो के आधार पर पकड़ा गया

मामला दर्ज होते ही सहायक पुलिस आयुक्त विनायक वस्त, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजीव धुमाल के मार्गदर्शन में एपीआई सचिन ढगे, पुलिस हवलदार शैलेंद्र कदम, श्रीकांत सावंत, सुनील चिकने की टीम ने जांच शुरू किया। पुलिस ने फोटो व मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी का पता लगाया। खुफिया सूत्रों से आरोपी के ठाणे स्थित घोडबंदर में होने की जानकारी मिलते ही, पुलिस ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

200 घटनाओं को देना था अंजाम

सहायक पुलिस आयुक्त विनायक वस्त ने बताया कि आरोपी व्हिन्सेंट जॉन पिछले कई वर्षों से इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। फाइव स्टार होटलों को अपना शिकार बनाता था। टूरिस्ट कार बुक कर वह होटलों में जाता था और धाराप्रवाह इंग्लिश भाषा के इस्तेमाल से होटल मैनेजमेंट को अपने झांसे में ले लेता था। वह खुद को एक बड़ा उद्योगपति बताता था। अब तक इसने 187 होटलों में ठगी की है। इस वर्ष तक उसने 200 घटनाओं को पूरा करने का टारगेट रखा था, लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

नवी मुंबई में दर्ज हुआ पहला मामला

आरोपी व्हिन्सेंट जॉन ने दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, कोलकाता, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में फाइव स्टार होटलों में ठगी करने की बात कबूल की है। लेकिन उसके खिलाफ कहीं कोई पुलिस शिकायत दर्ज नहीं हुई थी। पहला मामला नवी मुंबई के वाशी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि उसके बताए गए होटलों में संपर्क किया जाएगा। अगर होटल प्रबंधक शिकायत दर्ज कराते हैं तो वहां की पुलिस को इस बारे में जानकारी दी जाएगी।

मुंबई के मॉल में बीएमसी ने तोड़ी 500 अवैध दुकानें, अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

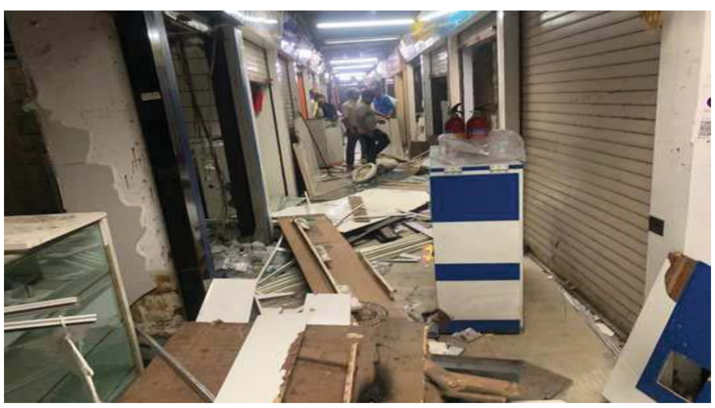

मुंबई, मुंबई सेंट्रल के आर्किड सिटी सेंटर मॉल में कुछ दिनों पहले लगी भीषण आग का मंजर अभी भी इलाके के लोगों जहन में ताजा है। इस आग को बुझाने में मुंबई दमकल विभाग को कई दिनों तक भारी मशक्कत करनी पड़ी थी। जिसके बाद आग पर काबू पाया गया था। इस आग में मॉल की तकरीबन 1000 दुकानें जलकर खाक हो गई थीं। इस आग के बाद शहर भर के सभी मॉल्स की फायर सेफ्टी ऑडिट भी शुरू हुई है। जिस मॉल में मानक के अनुरूप सेफ्टी उपकरण नहीं हैं उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बीएमसी ने इस माल में मौजूद 500 गैरकानूनी दुकानों पर कार्रवाई की है।

बीएमसी ने तोड़ी 500 दुकानें

आग की इस घटना के बाद बृहन्मुंबई महानगर पालिका प्रशासन हरकत में आया और उसने इस मॉल में मौजूद 500 अवैध दुकानों पर हथौड़ा चलाया। बीएमसी के डी वार्ड द्वारा किसी मॉल में की गई यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। बीएसमी के अधिकारीयों ने पांच दिनों तक इस डेमोलिशन की कार्रवाई को अंजाम दिया है। बीएमसी ने इन दुकानों के मालिकों को साल 2018 में ही नोटिस भेजा था और जवाब तलब किया था। कोरोना महामारी की वजह से डेमोलिशन की कार्रवाई नहीं की जा सकी थी।

मॉल में ज्यादातर इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की दुकानें

आर्किड सिटी सेंटर मॉल में मौजूद ज्यादातर शॉप्स मंहगे मोबाइल फोन और उनसे जुड़े उपकरणों की हैं। पिछले दिनों इसी मॉल के दूसरे और तीसरे मंजिल पर आग लगी थी। जिस इलाके में यह मॉल मौजूद है वह कभी अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों के लिए कुख्यात था। आज भी यहां पर दाऊद गैंग के सक्रिय होने की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसे में यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोग भी मॉल में मौजूद दुकानों के साइलेंट पार्टनर हो सकते हैं। इस प्रकार के डिमोलिशन ड्राइव में अक्सर अधिकारियों को काफी विरोध और गुस्से का सामना करना पड़ता है।

फ्लेट या अन्य प्रॉपर्टी खरीदने वाले है तो कोरोना काल में भूलकर भी ना करें यह गलती, डूब सकता है आपका सारा पैसा

गुजरात / वापी । देश में कोरोना का असर कब तक रहेगा कोई नहीं जनता। कोरोना की वजह से कई कारोबार ठप्प पड़े है तो कई कछुआ चाल में चल रहे है। ऐसा कह सकते है की यह बड़ी आर्थिक मंदी का समय है और यह मंदी कब तक रहेगी यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। लेकिन यदि आप इस मंदी में प्रॉपर्टी, फ्लेट, दुकान, मकान खरीदने वाले है या खरीदने का मन बना रहे है तो आपको बेहद चौकन्ना रहने की जरूरत है, वरना आपका निवेश, पैसा डूब सकता है ! रियल स्टेट कारोबार के जानकारों की माने तो रियल स्टेट कारोबार मंदी की मार झेल रहा है और आने वाले समय में मंदी और अधिक हो सकती है। रियल स्टेट सर्वे की एक रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है की रियल स्टेट मार्केट पिछले 10 सालों के सबसे निचले स्तर पर आ गया है और यदि हालत नहीं सुधरे तो रियल स्टेट कारोबार में, प्रॉपर्टी, फ्लेट, दुकान, मकान के दामों में भारी गिरावट आ सकती है। यदि आप इस मंदी में भी प्रॉपर्टी, फ्लेट, दुकान, मकान खरीद रहे है या बुकिंग करा रहे है तो इन बातों पर ध्यान दे। बिल्डर को काला धन देकर बुकिंग ना करवाएँ। जिस इमारत में फ्लेट, दुकान, खरीद रहे है या बुकिंग करवा रहे है उसमे अब तक कितनी बुकिग हुई है ? बिल्डर द्वारा कब्जा देने के वादे वाली तारीख तक क्या बिल्डर उक्त प्रोजेक्ट के सभी फ्लेट, दुकान की बिक्री कर पाएगा ? यदि बुकिंग के बाद कब्जा मिलने में देरी हुई तो बिल्डर आपको आपका पैसा पुनः देने की स्थती में होगा ? इस लिए कहा जा रहा है क्यों की यदि प्रोजेक्ट में देरी हुई अथवा मंदी के कारण प्रोजेक्ट में सभी फ्लेट, दुकान, मकान की बिक्री नहीं हो पाए और बिल्डर उक्त प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाया तो आपके द्वारा दिया गया काला धन आपको वापस मिलना मुश्किल हो जाएगा। ऐसा इस लिए कहा जा रहा है क्यों की सभी जानते है बिल्डर जितनी रकम में प्रॉपर्टी, फ्लेट, दुकान, मकान बिक्री करते उतनी रकम का रजिस्ट्रेशन नहीं करवाते, ऐसे में यदि इस महामारी में आपके द्वारा बिल्डर को दिए गए काले धन का आपके पास कोई सबूत ही नहीं रहेगा तो आप अपना पैसा कैसे वसूलेंगे। सर्वेक्षण में खुलासा, दोबारा हो सकता है कोरोना, ठीक हुए मरीजों में से 97 के ब्लड में नहीं मिला एंटीबॉडीजयदि आप बिल्डर को पूरा व्यहाइट मनी देकर बुकिंग कारवा रहे है तो भी यह तसल्ली कर ले की आप जिस प्रोजेक्ट में बुकिंग करवा रहे है उस प्रोजेक्ट में बिल्डर बाकी के फ्लेट, दुकान, मकान की बिक्री कर पाएगा या नहीं ?

क्यों की एक या दो फ्लेट अथवा दुकान की बुकिंग या खरीद बिक्री के द्वारा बिल्डर पूरी इमारत बनाकर उसमे आपको आपका एक फ्लेट का कब्जा दे दे यह तो मुमकिन नहीं लगता।

कुल मिलाकर यह कह सकते है की रियल स्टेट के कारोबार में इस समय निवेश काफी जोखिम भरा है।

किसान दिवस पर भी किसान खाली हाथ

आंदोलन चला रहे नेताओं ने कहा- हमें दान नहीं, फसलों के दाम चाहिए; सरकार मजबूत प्रपोजल भेजे

नई दिल्ली, 28 दिनों से दिल्ली बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसान संगठन आज किसान दिवस पर भी खाली हाथ रहे। दिन में सरकार की तरफ से सुलह की उम्मीदें तब जागीं, जब कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, ह्यकिसान हमारे प्रस्ताव में जो भी बदलाव चाहते हैं, वो बता दें। हम उनकी सुविधा और समय के मुताबिक बातचीत के लिए तैयार हैं।ह्व सरकार ने यह पेशकश दोपहर 3:50 बजे रखी। हालांकि, इसमें कोई मांग मंजूर करने का जिक्र नहीं किया। 2 घंटे बाद यानी शाम 5:50 बजे किसानों ने कह दिया कि सरकार का मजबूत प्रपोजल क्या हो, यह हम कैसे बताएंगे। अगर वे पुरानी बातों को ही बार-बार दोहराएं तो बात नहीं बनेगी।

सरकार ने किसानों को 10 पॉइंट का प्रस्ताव भेजा था, जिसे किसान ठुकरा चुके हैं। बुधवार को कृषि मंत्री ने नए सिरे से पेशकश रखी तो दो घंटे बाद किसान संगठनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें किसान संगठनों ने कहा, ह्ययह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि हम बातचीत नहीं कर रहे हैं। किसान हमेशा बातचीत को राजी हैं, जब भी बुलाया गया हम गए और आगे भी जाएंगे। सरकार ठोस प्रस्ताव लिखकर दे तो हम बातचीत करेंगे। बातचीत से नतीजा हासिल करने के लिए सरकार को अनुकूल माहौल बनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि इन कानूनों को लागू करने की तारीख टाल दी जाए। ऐसे में बातचीत के लिए बेहतर माहौल बनेगा। सरकार को अड़ियल रुख छोड़कर किसानों की मांगें मान लेनी चाहिए। हम अमित शाह जी को पहले ही बता चुके हैं कि आंदोलन कर रहे किसान संशोधनों को स्वीकार नहीं करेंगे।

किसी मीटिंग में संशोधन की बात नहीं कही- योगेंद्र यादव

योगेंद्र यादव ने कहा- आज तक किसी भी मीटिंग हमने नहीं कहा कि कानून में संशोधन पर विचार करना चाहिए। एक ही राय है कि कानून रद्द हो। गेंद सरकार के पाले में है, जो कुछ नहीं करना चाहती। वह हमारे पाले में गेंद फेंक रही है, जबकि गेंद तो शुरू से केंद्र सरकार से ही पाले में है। हमसे कहा गया कि ऊपर बात करके ठोस प्रस्ताव बनाएंगे। लेकिन, प्रस्ताव में वही पुरानी बातें थीं। गिफ्ट नहीं चाहिए। हमें क्या चाहिए, ये हम साफ कर रहे हैं। हमें दान नहीं चाहिए, दाम चाहिए। हमें फसलों की कीमत पर लीगल गारंटी चाहिए। सरकार का मजबूत प्रपोजल क्या हो, यह हम कैसे बताएंगे? अगर वे पुरानी बातों को ही बार-बार दोहराएं तो बात नहीं बनेगी।

टिकरी बॉर्डर पर खालसा एड ने किसान मॉल खोल दिया है। यहां सभी किसानों को एक फॉर्म दिया गया है, इसमें अलग-अलग प्रोड्क्टस के नाम लिखे हैं। किसान को जिस भी चीज की जरूरत है, वह उसके आगे टिक लगाकर मॉल से ले सकता है। किसान मॉल में सुई-धागे से लेकर जूते और थर्मस तक मिल जाएंगे।

किसान मॉल में सुई-धागे से लेकर जूते और थर्मस तक मिल जाएंगे।

टिकरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसान ने कहा- किसान दिवस पर मैं मोदी सरकार को एक ही बात बोलना चाहता हूं कि कृषि कानूनों को वापस लेकर हमें आज ये गिफ्ट में दें, क्योंकि आज का किसान पढ़ा-लिखा है। उन्हें इन कानूनों के बारे में पता है।

किसान दिवस पर गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों ने हवन कर आंदोलन की सफलता की कामना की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल की प्रमुख ममता बनर्जी के निर्देश पर उनकी पार्टी के 5 सांसदों ने सिंघु बॉर्डर पर किसानों से मुलाकात की। इनमें डेरेक ओह्लब्रायन, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, प्रतिमा मंडल और मोहम्मद नदीमुल हक शामिल थे। कांग्रेस ने कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए राष्ट्रपति से दखल की मांग की है।

रिश्वत के मामले में आइएएस अधिकारी इंद्र सिंह राव गिरफ्तार

जयपुर। रिश्वत के एक मामले में राजस्थान के आइएएस अधिकारी इंद्र सिंह राव को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार शाम को गिरफ्तार कर लिया। पिछले सप्ताह बांरा कलेक्टर रहते हुए इंद्र सिंह राव पर रिश्वत लेने का आरोप लगा था। एसीबी ने जांच में आवश्यक दस्तावेज जुटाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन ने राव की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें बुधवार सुबह जयपुर स्थित एसीबी के मुख्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। नौ दिसंबर को एसीबी की कोटा टीम ने राव के पीए महावीर नागर को 1.40 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था।

नागर ने एक पेट्रोल पंप की जमीन के लिए एनओसी देने के बदले में पैसे लिए थे। पूछताछ में नागर ने खुलासा किया था कि एनओसी जारी करने के एवज में कलेक्टर के लिए ही पैसे लिए थे। कलेक्टर ने ही कहा था कि तुम पैसे ले लेना। उस समय एसीबी ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। पीए को गिरफ्तार करने के साथ ही राव से 10 घंटे तक पूछताछ की थी, उनका मोबाइल फोन भी जब्त किया था। एसीबी की कार्रवाई के तत्काल बाद सरकार ने राव को एपीओ (पदस्थापन आदेश की प्रतिक्षा) में कर दिया था।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में रिश्वत का खेल

राजस्थान के बांरा जिले में एक लाख 40 हजार की रिश्वत लेने के मामले मे जिला कलेक्टर इंद्र सिंह राव के शामिल होने की बात सामने आई थी। राज्य भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अब तक की जांच और कलेक्टर व उसके पीए महावीर नागर से हुई पूछताछ में सामने आया कि कलेक्ट्रेट कार्यालय में रिश्वत का खेल पिछले छह माह से चल रहा था। जिला कलेक्टर अपने पीए के माध्यम से लोगों के काम करने के बदले में रिश्वत लेते थे। एसीबी ने कलेक्टर और उनके पीए से 10 घंटे तक पूछताछ की। दोनों का मोबाइल जब्त किया गया। कलेक्टर को एसीबी ने नामजद किया था।

यूपी में क्रिसमस-डे मनाने पर प्रतिबंध नहीं, पहले से जारी गाइडलाइन का करना होगा पालन

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। ऊपर से कोरोना के नए स्ट्रेन के सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश पूरी तरह अलर्ट हो गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ से बचाव के सभी उपाय पूरी सख्ती से किए जाने के निर्देश मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस खतरे के बीच क्रिसमस के त्योहार को लेकर तैयारियां चल रही हैं, लेकिन इस बार क्रिसमस का रंग फीका ही रहने वाला है। कोरोना संकट की वजह से वह रौनक नजर नहीं आएगी। हालांकि क्रिसमस के त्योहार को लेकर यूपी सरकार ने किसी अतिरिक्त प्रतिबंध का विचार नहीं किया है। पहले से जो प्रोटोकॉल जारी है, पूरी सावधानी के साथ उसका पालन करना होगा। इन गाइडलाइंस का पालन करन सख्त अनिवार्य है वरना कड़ी कार्रवाई हो सकता है। क्रिसमस डे पर 25 दिसंबर को हमेशा जश्न होता रहा है। इसके बाद नए वर्ष पर तमाम उल्लासमय आयोजन होते हैं। चूंकि धीरे-धीरे लॉकडाउन को पूरी तरह खोल चुकी उत्तर प्रदेश की योगी सरकार निर्धारित संख्या के साथ सार्वजनिक आयोजनों की भी अनुमति दे चुकी है, इसलिए माना जा रहा था कि इन आयोजनों में ज्यादा खलल नहीं पड़ेगा। इसी बीच कुछ देशों में वायरस का नया स्ट्रेन पाए जाने के बाद कुछ राज्यों में सख्ती बढ़ा दी गई है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश में भी संशय छाने लगा है। किसी अतिरिक्त प्रतिबंध का विचार नहीं : यूपी के मुख्य सचिव आरके तिवारी का कहना है कि फिलहाल शासन ने किसी अतिरिक्त प्रतिबंध का विचार नहीं किया है।

बीएमसी में नौकरी दिलाने के नाम पर फजीर्वाड़ा

मुंबई, रोजगार की तलाश में यदि सरकारी विभागों से जुड़े लोग जरूरतमंदों को नौकरी दिलाने की गारंटी की बात करें, तो स्वाभाविक है जरूरतमंद उन पर भरोसा करेंगे। पर हकीकत में मुंबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का बड़ा रैकेट चल रहा था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस रैकेट से जुड़े तीन लोगों प्रकाश सदाफुले, नितिन धोतरे और प्रीति ठक्कर को गिरफ्तार किया है। सीनियर इंस्पेक्टर केदारी पवार और इंस्पेक्टर लक्ष्मीकांत सांलुखे की जांच में यह बात सामने आई कि इन लोगों ने पिछले पांच साल में 400 से ज्यादा लोगों को बीएमसी में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर दिए। सभी आरोपियों ने इस ठगी से सात से आठ करोड़ रुपये कमाए। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में नितिन धोतरे वर्तमान मे बीएमसी में ही नौकरी करता है, जबकि प्रकाश सदाफुहले बीएमसी से रिटायर हो चुका है। प्रीति ठक्कर नामक महिला आरोपी पहले पुलिस विभाग में थी, बाद में उसने यहां से श्फ्र ले लिया। इस रैकेट का भंडाफोड़ तब हुआ, जब एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वह महिला प्रीति ठक्कर को जानती थी। वह अपने लड़के को बीएमसी के पानी विभाग में नौकरी दिलाना चाहती थी। प्रीति उस महिला को प्रकाश सदाफुले के पास लेकर गई। प्रकाश ने उसका परिचय नितिन धोतरे से करवाया। तीनों आरोपियों ने उससे नौकरी की गारंटी दी। बदले में उससे साढ़े तीन लाख रुपये लिए।

रात का कर्फ्यू शुरू, मुंबई पुलिस ने निगरानी बढायी

मुंबई, कोरोना वायरस के नये प्रकार का पता चलने के बाद इसके प्रसार को रोकने के उद्देश्य से मुंबई में पुलिस गश्त एवं सतर्कता बढ़ा दी गयी है जबकि बारों एवं पबों के खुले रहने के समय पर भी अंकुश लगाया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस सड़कों पर मार्च कर रही है एवं लोगों से घरों में रहने का आग्रह कर रही है क्योंकि रात का कर्फ्यू मंगलवार की रात से प्रभावी हो गया है । उन्होंने बताया कि यह कर्फ्यू रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक जारी रहेगा । सरकार के इस आदेश से आपात, चिकित्सा एवं आवश्यक सेवाओं को छूट दी गयी है । पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि रात के कर्फ्यू के दौरान गैर आवश्यक कार्यों के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले वाहनों को जब्त कर लिया जायेगा ।

हर पल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

क्राईम द मोस्ट वांटेड व क्राईम इंन्वेस्टिगेशन न्यूज देश के सभी जगहों पर हमारी खास न्यूज बतायी जा रही है अगर आपको, मोबाईल और लेपटॉप, पर देखनी हो तो www.harpaltvnews.com1 टाइप करके देखिये या crimeinvestigationharpaltv.com टाईप करके सभी खबरें देख सकते हैं, अगर आपको हमसे संपर्क करना है तो हमारा नंबर है ७४९८५३५२८६ अगर आपको खबर भेजना है तो ईमेल करें :

Email-harpaltimes.press@gmail.com

कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की टेनिंग दी जा रही है..

सपर्क करें: ७०२१४२५४४२

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॉम्प, चेंबूर, मुंबई -४० ००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/ १. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४ ० ० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादकः वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374 Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)